



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]
No. 14]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 26, 1987/माघ 6, 1908
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 26, 1987/MAGHA 6, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1987

फा. सं. 394/100/86—सी. शु. (न. रो.)—
राष्ट्रपति, गणतन्त्र दिवस, 1987 के अवसर पर, सीमाशुल्क
निदेशालय, कोचीन के अधिकारी श्री सी. एम. डामन को,
जिन्होंने अपनी जान को भी जोखिम में डाल कर, असाधारण
प्रशंसनीय सेवा की, प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं :—

सेवाओं का विवरण जिनके लिए

प्रमाण-पत्र दिया गया है।

दिनांक 23-12-1980 को कोचीन सीमाशुल्क गृह के
तीन सीमा-शुल्क अधिकारी एक संदिग्ध जलयान की जांच

करने के लिए सीमाशुल्क के एक जलयान में सवार हुए।
नाविक सर्वश्री अब्दुल कलाम और टी. के. सहदेवन के साथ,
श्री सी. एम. डामन इस जलयान का संचालन कर रहे थे।
ये अधिकारी संदिग्ध जलयान में सवार हुए। यद्यपि आकाश
साफ था, अचानक ही मौसम खराब हो गया तथा समुद्र में
भीषण शंसावत आ गया। और समुद्र बहुत अशान्त हो गया
था। लगातार मूसलाधार बारिश होते रहने के कारण, पानी
जलयान में घुस गया तथा इंजन ने कार्य करना बन्द
कर दिया। जलयान से पानी को बाहर निकालने के प्रयास
असफल हो गए तथा जलयान डूबने लगा। इस स्थिति में
सर्वश्री डामन और सहदेवन ने जलयान को छोड़ दिया।
सीमाशुल्क अधिकारियों द्वारा जलपात से फँके गए रक्षा
बोयाओ को उन्होंने पकड़ लिया था। तथापि, सहदेवन तेज
लहरों द्वारा जलपात से बहकर दूर चले गए थे। श्री सहदेवन
सहायता के लिए चिल्लाए तथा श्री डामन ने फौरन उनके
बुलावे पर अभिक्रिया की तथा वे अशांत समुद्र में लगभग
एक किलोमीटर तक की दूरी तक तैरे और अपनी जान को
भागे जोखिम में डालकर उन्हें क्षुब्ध समुद्र से बचाया।

दिनांक 2-8-1981 को, जिस समय श्री डसन थेवारा नाव जेट्टी पर थे, उन्होंने प्रातः 6.30 बजे निषिद्ध माल से लबी हुई एक डोंगी को देखा जो समुद्र तट पर लगने के लिए समीप आ रही थी। हालाँकि श्री डसन की झूटी समाप्त हो चुकी थी, फिर भी उन्होंने विवेकपूर्ण तरीके से डोंगी को अपने नियंत्रण में ले लिया और सीमाशुल्क कर्मियों को सचेत कर दिया जिसके परिणामस्वरूप 30,000 रु. का निषिद्ध माल पकड़ा गया।

दिनांक 26-9-1986 को, सीमाशुल्क अधिकारियों ने, जो एक संदिग्ध नौका (याचट) की, जिसमें कुछ विदेशी सवार थे तलाशी ले रहे थे और उस नौका में एक पैकेट देखा। इस पर वे कि सीमाशुल्क के अधिकारी इस पैकेट को अपने कब्जे में लें, एक विदेशी ने इस पैकेट को समुद्र में फेंक दिया। श्री डसन जो सीमाशुल्क के पोत में, इस नौका के समीप थे, ने इस देखा, और बिना किसी गानाधारी सहायक यंत्र के, अपना जान जोखिम में डालकर गहरे समुद्र में कूद पड़े। पोतों में एक घंटे के जाखिमपूर्ण एवं कठोर कार्य करने के पश्चात् श्री डसन ने प्लास्टिक का एक पैकेट बूझ निकाला जिसमें दो किलोग्राम हशीश थी। उनके अनुकरणीय साहस एवं सद्बुद्धि के कारण ही हशीश बूझ निकाली जा सकी।

2. यह पुरस्कार, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी समय-समय पर यथासंशोधित उस योजना के पैरा 1 के खण्ड (क) (1) के अन्तर्गत दिया है, जो भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग I, खण्ड 1 में अधिसूचना सं. 12/139/59-प्रशा.-III-ख, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी। श्री डसन को नकद भत्ता भी दिया जा रहा है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January, 1987

No. F. 394/100/86-CUS(AS).—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1987, to award an Appreciation Certificate to Shri C. M. Dasan, Serang, Customs Collectorate, Cochin, for exceptionally meritorious service rendered by him at the risk of his life.

STATEMENT OF SERVICES FOR WHICH THE CERTIFICATE HAS BEEN AWARDED

On 23-12-1980, three Customs Officers of Cochin Custom House proceeded on board of a Customs craft for checking a suspected vessel. The craft was navigated by Shri C. M. Dasan along with seamen S/Shri Abdul Kalam and T. K. Sahadevan. The officers boarded the suspected vessel. Though the sky was clear, the weather deteriorated suddenly and turned squally and the sea became very rough. There was continuous heavy down-pour and water entered the craft and the engine stopped.

The efforts to pump out water from the craft failed and the craft started sinking. At this stage, S/Shri Dasan and Sahadevan abandoned the craft. The life buoys thrown by the Customs officers from the vessel were picked up by

them. However, Sahadevan was carried by the strong waves away from the vessel. Shri Sahadevan yelled for help and Shri Dasan spontaneously reacted to his call and swam in the rough sea for a distance of about one kilometer and rescued him from the choppy sea at grave risk to his own life.

On 2-8-1981, while remaining at Thevara boat Jetty, Shri Dasan noticed at 6.30 A.M. a Canoe loaded with contraband goods coming closer to the shore for landing. Though Shri Dasan was off duty, he tactfully brought the Canoe under his control and alerted the Customs staff which resulted in the seizure of contraband goods worth Rs. 30,000.

On 26-9-1986, the Customs Officers who were rummaging a suspected yacht occupied by some foreigners noticed a packet in the yacht. Before the packet could be taken over by the Customs officer, one of the foreigners threw the packet into the sea. Shri Dasan who was near the yacht in the Customs launch noticed this and jumped into the deep backwaters without any diving aid risking his own life. After an hour's risky and strenuous under-water operations Shri Dasan retrieved a plastic packet containing hashish weighing two Kgs. The hashish could be retrieved due to his exemplary courage and presence of mind.

2. The award is made under clause (a) (i) of para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Department, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary notification No. F. 12/139/59-Ad. III(B) dated the 5th November, 1962 as amended from time to time. Shri Dasan also gets a cash allowance.

अधिसूचना

फा.सं. 394/100/86-सी.शु. (तस्करी-रोधी) :—
राष्ट्रपति जी, गणतन्त्र दिवस, 1987 के अवसर पर सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रत्येक को उनकी उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान करने हैं :—

1. श्री एम. वीरयन,
उप निदेशक
ग्रांथन-राश्री निदेशालय (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क)
क्षेत्रीय एकक,
मद्रास
2. श्री ए. एस. बगुलाभरणम्
सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,
हैदराबाद
3. श्री एन. ई. सेम्युएल राज
अधीक्षक (सीमाशुल्क)
सहार हवाई अड्डा,
बम्बई
4. श्री ई. टी. कुलकर्णी,
वरिष्ठ आसूचना अधिकारी,
राजस्व आसूचना निदेशालय,
बम्बई।

2. ये पुरस्कार सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी समय-समय पर यथासंशोधित उस योजना के पैरा 1 खण्ड (क) (ii) के अन्तर्गत दिए जाते हैं, जो भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग I, खण्ड 1 में, अधिसूचना सं. 12/139/59--प्रशा०-III (ख), दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी।

टी. एस. स्वामीनाथन, अपर सचिव

NOTIFICATION

F. No. 394/100/86-CUS(AS).—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1987, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to each of the undermentioned officers of the Customs and Central Excise Department:—

1. Shri M. Veeraiyan,
Deputy Director,
Directorate of Anti-Evasion (Central Excise),
Zonal Unit,
MADRAS

2. Shri A. S. Vagulabharanan,
Assistant Collector of Central Excise,
Hyderabad

3. Shri N. E. Samuel Raj,
Superintendent (Customs),
Sahar Airport,
BOMBAY

4. Shri E. T. Kulkarni,
Senior Intelligence Officer,
Directorate of Revenue Intelligence,
BOMBAY

2. These Awards are made under clause (a) (ii) of para 1 of the scheme governing the grant of Awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Department, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad.III(B) dated the 5th November, 1962, as amended from time to time.

T. S. SWAMINATHAN, Addl. Secy.

